

---

# Shri Raghavachetanacharyakrita Shriraghavasharanagatih

---

श्रीराघवचेतनाचार्यकृता श्रीराघवशरणगतिः

---

## Document Information

---

Text title : Shri Raghavachetanacharyakrita Shriraghavasharanagatih

File name : rAghavasharaNAgatiHrAghavachetanAchArya.itx

Category : raama, rAmAnanda

Location : doc\_raama

Author : rAghavachetanAchArya

Transliterated by : Mrityunjay Pandey

Proofread by : Mrityunjay Pandey

Description/comments : From Chatuh Sampradaya Dig-Darshanm

Latest update : December 3, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 3, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीराघवयेतनाचार्यकृता श्रीराघवशरणागतिः

---



पुण्यसधजमानन्दभाष्यकारं य राघवम् ।  
करोमि सद्गुरुं नत्वा राघवशरणागतिम् ॥ १ ॥

परेशं दिव्यधामस्थं दिव्यदेलगुणाम्बुधिम् ।  
जगद्धेतुं शरण्यं य राघवं शरणं श्रये ॥ २ ॥

तस्मिंस्तस्मिंश्च देशादौ रक्षायै साधुधर्मयोः ।  
श्रितं मत्स्यादिरूपं य राघवं शरणं श्रये ॥ ३ ॥

सृष्ट्याधर्थं य लोकानां स्वभक्तानामुपास्तये ।  
यतुर्व्यूहस्वरूपं य राघवं शरणं श्रये ॥ ४ ॥

जगत् सृष्ट्वा य तस्यान्तस्तद्रक्षायै प्रविश्य हि ।  
अन्तर्यामिस्वरूपं य राघवं शरणं श्रये ॥ ५ ॥

स्वर्गादिविग्रहं भक्ताभीष्टं स्वीकृत्य तत्र हि ।  
षाड्गुण्येन स्थितं याथ राघवं शरणं श्रये ॥ ६ ॥

राघवयेतनाचार्यद्वाराचार्येण धीमता ।  
कृता मोक्षप्रदा भूयाद् राघवशरणागतिः ॥ ७ ॥

एति श्रीराघवयेतनाचार्यकृता श्रीराघवशरणागतिः सम्पूर्णा ।

Encoded and proofread by Mrityunjay Pandey

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

